संख्या-728/2026/2012/22-2-2025-17(532)/2024

प्रेषक,

कमलेश कुमार,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 10 जून, 2026

विषय:- केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मेन्द्र पुत्र श्री बहादुर, निवासी जनपद-आजमगढ़ की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक (मु0) के पत्र संख्या-36096/प्रोबे0-5-दया0/बैठक-01.09.2025, दिनांक 15.09.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मेन्द पुत्र श्री बहादुर, जो ग्राम-करमैनी, थाना-बिलरियागंज, जनपद-आजमगढ़ का निवासी है। बन्दी द्वारा दिनांक 26-10-2009 को पति पत्नी में विवाद हो जाने के कारण पति उत्तेजित होकर गडासा से मारकर अपनी पत्नी व पुत्र सनी की हत्या कारित की गयी। बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-49/2010, भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-03, आजमगढ़ के दण्डादेश दिनांक 19.12.2012 द्वारा मृत्युदण्ड के दण्ड से दण्डित किया गया। मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश 09-01-2014 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा को लघुकृत करते हुये आजीवन कारावास की सजा में परिवर्तित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 12.08.2025 तक अपरिहार 15 वर्ष 09 माह, 17 दिन तथा सपरिहार 17 वर्ष, 09 माह 11 दिन की सजा भोगी गयी है।

3- 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दियों अथवा उनके परिजन द्वारा प्रस्तुत दयायाचिकाओं के निस्तारण हेतु प्रक्रिया निर्धारित करते हुए निर्गत शासनादेश संख्या-660/22-2-2005-17(346)/92, दिनांक 13.04.2005 में प्राविधानित बिन्दुओं पर सम्बन्धित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट की आख्या प्राप्त किया गया। पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़ द्वारा अपनी आख्या में अंकित किया गया है कि बन्दी द्वारा कारित अपराध जघन्य अपराध की श्रेणी में होने, भविष्य में अपराध करने से इन्कार नहीं किये जाने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, परिवार की सामाजिक, आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नहीं होने के दृष्टिगत समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है तथा जिला मजिस्ट्रेट, आजमगढ़ द्वारा पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़ की आख्या से सहमत होते हुए रामयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

सिद्धदोष बन्दी धर्मेन्द्र पुत्र श्री बहादुर की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के प्रकरण पर समिति द्वारा विचार किया गया। समिति द्वारा जेल रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 12.08.2025 तक बन्दी की 42 वर्ष, 04 माह की आयु स्वास्थ्य की दशा संतोषजनक होने एवं बन्दी द्वारा कारित अपराध की प्रकृति (अपनी पत्नी एवं पुत्र की हत्या) तथा पुलिस अधीक्षक/जिला मजिस्ट्रेट, आजमगढ़ द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के के दृष्टिगत, सभी बिन्दुओं पर सम्यक् विचारोपरान्त समिति द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की जाती है।

---

1. यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

shasanadesh.up.gov.in

4- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मेन्द्र (बन्दी संख्या-70/2014) पुत्र श्री बहादुर, निवासी जनपद-आजमगढ़ की 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
कमलेश कुमार
उप सचिव।

संख्या-728/2026/2012(1)/22-2-2025 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, आजमगढ़।
2- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़।
3- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, वाराणसी।
4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ०प्र० शासन को मा0 मंत्री के सूचनार्थ।
5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ०प्र० शासन को मा0 मंत्री के सूचनार्थ।
6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1. यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।